# दुग्ध प्रोद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी दो नये संकायों की कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को मिली सौगात

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की विद्या–परिषद की 11वीं बैठक में अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए माननीय कृलपति प्रो बी आर चौधरी ने कृषि विश्वविद्यालय में राज्य सरकार द्वारा दो नये संकाय दुग्ध प्रोद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी स्वीकृत करने पर प्रसन्तता व्यक्त की। विश्वविद्यालय एवं मारवाड़ क्षेत्र के चंहुमुखी विकास के लिए इसे मील का पत्थर बताते हुए प्रो चौधरी ने विश्वविद्यालय के इन दोनों संकायों के लिए राज्य सरकार द्वारा हाल ही में कुल 33 पदों के सृजन एवं स्वीकृती पर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से राज्य सरकार का आभार जताया। साथ ही विश्वविद्यालय में खाद्य प्रोद्योगिकी संकाय स्वीकृत करने हेतु राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजने की बात कही। विद्या–परिषद की इस बैठक में सभी सदस्यों ने व्यक्तिसह एवं ऑनलाईन (विडियों कॉन्फ्रेंसिंग) माध्यम से भाग लिया। इस बैठक में कुल 28 एजेन्डा बिन्दुओं को स्वीकृत कर इन पर चर्चा करके अनुमोदित किया गया। जिसमें मुख्यतः विश्वविद्यालय की स्नात्तकोतर शैक्षणिक नियमावली; स्नात्तक पाठ्यक्रमों में प्रत्येक कृषि महाविद्यालय में सीटों की संख्या 55 से बढ़ाकर 60 करना एवं इन पर प्रवेश सिर्फ राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा (जे ई टी) व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा की मेरीट के आधार पर ही करना, स्नात्तक व स्नात्तकोतर स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को कुलपति स्वर्ण पदक व कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान करने की नियमावली, छात्रों को प्रदान की जाने वाली अंक तालिका व उपाधि में विशिष्ट चिन्ह पद्धति व सुरक्षा उपायों का समावेश; दुग्ध प्रोद्योगिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी संकायों में प्रत्येक में 40 सीटों का निर्धारण व आगामी सत्र से ही इन संकायों में प्रवेश व डिग्री प्रोग्राम शुरू करने का अनुमोदन किया गया। विश्वविद्यालय में रिक्त कुल 141 पदों (11 आचार्य, 40 सह–आचार्य, 76 सहायक आचार्य एवं समकक्ष तथा 14 विषय विशेषज्ञ) पर भर्ती करने के प्रस्ताव का अनुमोदन कर प्रबंध मंडल को भेजने की सिफारिस की गयी। इसके साथ ही इन रिक्त पदों पर भर्ती हेतु स्कोर कार्ड भी अनुमोदित किए गये। बैठक का आयोजन निदेशक शिक्षा डॉ भारत सिंह भीमावत द्वारा किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री ए के पुरोहित, सहयोजित सदस्य डॉ एस के सिंह, निदेशक विस्तार शिक्षा डॉ ईश्वर सिंह, निदेशक अनुसंधान डॉ एस आर कुम्हार, निदेशक मानव संसाधन विकास डॉ वी एस जैतावत; अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर डॉ एस डी रतनु; निदेशक प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन डॉ उम्मेद

सिंह; अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, नागौर डॉ एम के पुनिया; परीक्षा नियंत्रक डॉ एम एम सुन्दरिया, विभागाध्यक्ष पौध–व्याधि विभाग डॉ जे आर वर्मा व विभागाध्यक्ष उद्यानिकी विभाग डॉ एस के मूण्ड ने भाग लिया। देश में कोविड–19 के प्रकोप की वजह से सहयोजित सदस्यों डॉ एस आर मालु, डॉ धुरेन्द्र सिंह, डॉ जी एन परिहार व डॉ एम पी राजोरा ने ऑनलाईन (विडियों कॉन्फ्रेंसिंग) माध्यम से बैठक में महत्वपूर्ण सुझाव देकर योगदान दिया। बैठक के सफलतापूर्वक आयोजन एवं सभी सदस्यों के सक्रिय योगदान की प्रशंसा करते हुए निदेशक शिक्षा डॉ भारत सिंह भीमावत ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।